Abhar Mahila Samiti Chhatarpur M.P.

Yearly Report -2014-15

Abhar mahila Samiti Jawhar Road Chhatarpur M.P. 471001

Ph.076822 42315,09424344088
E-Mail: pradeep_abhar@yahoo.co.in
abharchhatarpur@yahoo.com
Websit-amschhatarpur.org

गिरते हुये शिशु लिगं अनुपात के विरुध अभियान

जन संदेश यात्रा दिनांक 28/06/2014

बेटी है तो कल है घटते हुये शिशु लिगं अनुपात को कम करने के उद्धेश्य से फोरम– आस तथा स्थानिये स्वंय सेवी संस्थाओ के सहयोग से जिले मे जन संदेश यात्रा का आयोजन किया गया जिसमे दो टीमो का गठन कर यात्रा का शुभप्रारम्भ दिनांक 28/06/2014 को प्रातः 09 बजे छत्रसाल चोक छतरपुर से किया गया । जिसमे फोरम के सभी सदस्यो के अलावा स्थानीय लोग उपस्थित हुये ।

यात्रा का आरम्भ छतरपुर जिले एस.डी.एम श्री द्धुवे जी ने हरी झडी दिखा कर यात्रा को रवाना किया यात्रा के इस श्शुभ अवसर पर उन्होने कहा कि यह एक सराहनीय प्रयास स्थानीय जिले के स्वंय सेवी संस्थाओ द्धारा किया जा रहा है जिसका उद्धेश्य जिल के साथ प्रदेश स्तर पर दिन प्रति दिन जो शिशु लिगं अनुपात कम हो रहा है तथा बेटियो को कोठ मे ही मार दिया जा रहा है। जिस कारण बेटियो का जन्म शिशु लिग अनुपात कम होता जा रहा है जिस पर हम सबको सोचने की आवश्यकता है । संस्थाओ द्धारा किये जा रहे इस प्रयास की मे सराहना करता हूँ तथा आशा करता हूँ कि निशचित ही इस प्रयास से लोगो मे जन जागरुकता आयेगी और हमारे जिले के साथ प्रदेश मे भी बेटियो की संख्या मे बढोतरी होगी और लिगं अनुपात मे सुधार होगा। वही जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारो श्री के.के. चतुरवेद्धी ने भी इस प्रयास की सराहना की तथा संस्थाओ को इस कार्य के लिए बधाई दी ।

यात्रा के दुसरे दिनांक 29/06/2014 को प्रभाति/प्रदीप खरे निशी सिह जी द्धारा यात्रा का प्रारम्भ किया गया जिसमे प्रातः 7:30 पर जिले चार ब्लाक मे यात्रा नोगॉव/ लवकुशनगर/ वारीगढ/राजनगर/खजुराहो के लिए प्रस्थान किया गया जहा पर नौगॉव मे अस्पाताल के सामने तथा गढीमलेहरा मे बस स्टैड तथा महोवा त्रिराहा वही महराजपुर मे बस स्टैड /लोडी लवकुशनगर मे शहर के बीच मे /वारीगढ मे ब्लाक के सामने मे वही राजनगर व खजुराहो मे अस्पताल व बस स्टैड पर लोगो को संबोधित किया गया जिसमे निशी सिह/प्रदीप जी ने वताया कि जिले मे 1000 हजार लडको पर लडकियो की सख्या 900 है और अगर प्रदेश की वात करे तो 1000 हजार बालको पर 918 लडकिया बचती है । अगर हम भारत कि वात करे तो यह आकडा 927 का रह जाता ह जिस पर हम आपको सोचने की आवश्यकता है।

प्रदीप जी ने आगे वताया कि अगर यह सव इसी तरह से चलाता रहा और दिन प्रति दिन बेटियो को कोठ मे मारा जाता रहा तो आने वाले समय पर हम कहा से लायेगे पने लिए बहिन बेटे के लिए बहू और फिर नही होगी हमारे बेटे की शादी तो हमे दोनो को ही जन्म देना होगा नही तो यह समाज नही

चलेगा । इसलिए आवश्यकता है कि हम समाज मे सोनो ग्राफी के हो रहे दुरुउपयोग को रोके तथा तथा जो डा0 या आस पास के सोनो ग्राफी सेन्टर ऐसा कर रहे है उनकी जाचॅ कराये शिकायत करे क्योकि गर्भस्थ भूण का लिगं परीक्षण अथवा लिगं की जाचॅ कराना कानूनी अपराध है। और ऐसा करने या कराने वाले को दण्ड या सजा हो सकती है। आगे उन्होने वताया कि अगर आपके क्षेत्र मे कही ऐसा धिन्ति कार्य हो रहा है तो इसकी सूचना जिला कलेक्टर या जिले मे कार्य कर रहे फोरम आस तथा हमारी बेब साईड .hamaribitya.in पर कर सकते है आप चाहे तो अपना नाम पता गुप्त रखा जा सकता है।

इसके साथ ही लोगो को ग्रुम होती बेटिया और बेटी है तो कल है जैसी सामग्री वितरण कर लोगो मे जन जागरुता लाने का प्रयास किया गया।

खोले गय प्याऊ

आभार महिला समिति छतरपुर द्वारा म.प्र. जन अभियान परिषद छतरपुर के सहयोग से ब्लाक छतरपुर मे कार्य किया जा रहा है। जिसके अर्न्तगत ग्राम मे जल संरक्षण व राहगीर लोगो को सार्वजनिक स्थानो पर ठडा जल मिल सके इसके लिए प्याऊ संचालन का कार्य प्रारम्भ किया गया जिसके अर्न्तगत छतरपुर ब्लाक के 03 ग्रामों मे प्याऊ खोली जा चुकी है। साथ ही आगे भी यह प्रक्रिया निरन्तर जारी है।

समिति द्वारा ग्राम पिर्पोराखुर्द पंचायत रमपुरा बस स्टैड तथा बरद्वाहा मे टैक्सी स्टैड तो ग्राम अतंरार मे पंचायत के पास निशुक्ल प्याऊ का संचालन संस्था व ग्राम प्रस्फुटन समिति के सहयोग से किया गया है। जिसमे ग्राम के लोगो ने एक सराहनीय प्रयास वताया ।इस अवसर पर ग्राम के किसान समूह व फेडरेशन के अध्यक्ष के अलवा बरद्वाहा से जितेन्द सही वही अंतंरार से सदीप तिवारी तो ग्राम पिपोराखुर्द स धनश्यात रैकवार जी व संस्था कार्यकर्ता विजय सक्सैना शाविर खान व अन्य सार्थीगढ उपस्थित रहे। वही जल सरक्षण को ध्यान मे रख कर के ग्राम अतरांर व रनगुवा कदवा मातगुवा मे हेडपम्प सुधराये गये व जल सरंक्षण को पानी सोखता तैयार किय गये।

अर्न्तराष्टीय महिला दिवस का आयोजन किया गया।

आभार महिला समिति छतरपुर द्वारा दिनांक 08/03/2015 को ग्राम बरद्धाहा में अर्न्तराषीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम के लगभग 145 लोग उपस्थित रहे जिसमें 76 महिला 69 पुरुष शामिल हुये संस्था से संस्था के वरिष्ठ कार्यकर्ता प्रदोप खरे जी ज्योति रैकवार भावना अहिवार सुरेश अहिवार के अलावा महिला कानून की वरिष्ठ वकील व समाजिक कार्यकर्ता मीरा सिह ग्राम सरपंच उप सरंपच सचिव आगंनवाडी कार्यकर्ता कमला खरे /विध्रया तिवारी आशा कार्यकता तथा महिला वाल विकास सुपर वाईजर रेखा अहिवार पुलिस विभाग से उमांकात मिश्रा जी लोक कला सगीत के माध्यम से अपनी पहचान वनाने वाली गायका सुश्री निलम तिवारी व उनकी टीम मुख्य रुप से उपस्थित रही।

कार्यक्रम का आरम्भ प्रदीप जी ने अपने परिचय के साथ किया उसके वाद दीप /सरस्वती पुजन किया गया प्रदीप जी ने वताया की आप सभी जानते है कि आभार महिला समिति छतरपुर एक समाज सेबी संस्था है जो कि छतरपुर जिले की ईशानगर ब्लाक की 14 पंचायातो के 17 ग्रामो मे समाज विकास एवं जन कल्याण के लिए प्रयासरत है। संस्था का मुख्य उद्द्वेश्य समाज के ऐसे वर्ग के लिए कार्य करना जो आज भी समाज की मुख्य धारा से बंचित है या जिन्हे शासन की जन कल्याणकारी योजनाओ का लाभ नही मिल रहा ऐसे वर्ग समुदाय को जागरूक व संगठित कर कार्य करना ताकी वह आत्मनिर्भर होकर अपने अधिकारो की मांग स्वयं करने लगे तथा समाज मे आत्मसम्मान के साथ अपना जीवन यापन कर सके। महिलाओ और पुरूषो मे अन्तर का मुद्दा बीसवी सदी से निरन्तर चर्चा मे बना हुआ है। महिलाओ की राजनीतिक, समाजिक, आर्थिक और परिवारिक स्थिति की भूमिका मे मुख्य रुप से समाज द्वारा निर्धारित कुप्रथाये/समाजिक परिवारिक स्थिति समाजिक लिंग भेद महिलाओ के विकास मार्ग मे अवरूध करने का मुख्य कारण दिखाई देता है जो पुरुष प्रधान समाज को अपने आप पर बडा खतरा या बाधा मानता है। जिस कारण आज हजारो महिलाऐ कही न कही बडी हिंसा या किसी न किसी रुप में प्रताडित हो रही है या समाज मे उनको वह स्थान नही मिल पा रहा जिसकी वह हकदार है।

दिन प्रतिदिन महिलाओ की संख्या मे हो रही गिरावट इस बात का साक्ष्य प्रमाण है कि महिलाओ को कानूनी एवं कागजी तोर पर चाहे जितने भी अधिकार और संरक्षण दिया गया हो लेकिन जमीनी स्थिति तो कुछ और ही है जो हम आप सभी अच्छी तरह से जानते है। आज भी हमारे समाज मे ऐसो कई महिलाऐ है जिन्होने बाहर कि दुनिया नही देखी है कह सकते है कि डोली मे उठ कर आती थी और अर्थी पर सवार हो कर पिया के घर से निकली जिन्हे पुरुष के वराबरी से बढने का अधिकार नही पति से पहले खाने का अधिकार नही, पर्दा प्रथा, पति के जागने से पहले उठना और सब लोगो के सोने के वाद सोना यह है बुन्देलखण्ड की महिला का जीवन और इससे भी अधिक प्रताडित है ग्राम की महिला। आज समाज और देश तेजी से आगे बढ रहा है। लेकिन महिलाओ की स्थिति मे सुधार होने की अपेक्षा उसमे तेजी से गिरावट होती जा रही है। ऐसी स्थिति मे महिलाओ के हित मे काम करके इनकी स्थिति मे सुधार करना अपने आप मे चुनैती है और आज की आवाश्यकता ।

छतरपुर मे महिलाओ की स्थिति –

ये आकडे स्वयं इस बात को सोचने के लिए पर्याप्त है कि क्या हमारे यहां पर महिलाऐ सुरक्षित है ?

क्र	छतरपुर	2011	2012	2013
1	हत्या	58	50	45
2	लूट	74	40	36
3	चोरी	232	206	199
4	अगवा	96	61	32
5	बलात्कार	77	62	76
6	अपहरण	45	39	42
कुल		582	458	430

समाजिकरण की प्रक्रिया के कारण महिलाओ का सदियो से शोषण होता आया है। और आज भी हो रहा है। चाहे वही परिवारिक स्तर पर हो या प्रशासनिक स्तर पर। बुन्देलखण्ड की सामंतशाही व्यवस्था ही कही न कही महिलाओ पर होते अपराध के लिए जिम्मेदार है। समाज मे पितृसत्ता व्यवस्था एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था है जिसके अन्तर्गत पिता, भाई या कोई भी पुरूष परिवार के सदस्य, सम्पत्ति व अन्य आर्थिक साधनो पर नियन्त्रण रखता है तथा वही परिवार का मुखिया माना जाता है और वह महिला को अपनी जागीर या गुलाम समझता है। और जिस कारण आज महिलाऐ किसी न किसी तरह से पुरुष समाज से प्रताडित है।

पुरूष प्रधान समाज मे पितृसत्ता व्यवस्था होने के कारण आज महिलाओ को समाज मे वह स्थान प्राप्त नही होता है जिसकी वह हकदार है। अगर हम अपने आसपास देखते है तो इस तरह के कई उदाहरण सामाने आते है। जिसमे सामंतशाही व्यवस्था, मजदूरी मे भेदभाव, घरेलू हिंसा, बंधुआ मजदूरी के साथ दलित वर्ग को समानता का अवसर नही दिया जाता है। जो कि महिलाओ के गिरते स्तर के लिए कही न कही जिम्मेदार है।

ने वताया कि आज समाज मो महिलाओ की स्थिति वह वह हम आपसे छिपी नही ही अगर हम छतरपुर की वात करे तो आप प्रति दिन का अखवार देखे तो जिले के किसी न किसी ग्राम मे शहर में महिला को रोज प्रताणित किया जा रहा अभी की की ही घटना है एक पति ने अपनी पत्नी को सात दिन तक बाध कर रखा तथा रोज उसके साथ मार पीट की गई खाना नही दिया गया और आखीर मे उसने उसको मार डाला कहने की वात है को आज छतरपुर मे महिलाओ कही भी सुरिक्षित नही हैं । आज आवश्यकता है की हम आप जागरुक हो जिम्मेदार वने कि अगर हमारे आसपास ऐसी कोई घटना हो रही है या तो हम चुपचाप न बेठे और ये न सोचे की वह

उसकी पत्नी है या उनका मामला है। आज शासन मे कई कानून महिलाआ के हित मे वनाये है पर लोगो को जानकारी न होने के कारण आज महिलाऐ हिसा दिन प्रति दिन बढ रही है। सबसे पहले आपको मालूम हो की घरेलू हिसा अधिनियम 2005 के तहत आज महिलाओ का पिछा करना उनको कुछ कहना रगं को लेकर ताने मारना उसकी वीना मरजीं के शारिक सम्बध वनाना कही आने जाने से रोकना योनिक हिसा मोंखिक हिसा असील वाते करना या मोबाईल पर सदेश देना जैसी तमाम वाते इस कानून के अनर्तर आती है। और अगर कोई महिला इस तरह की शिकायत करती है तो सम्बधित के खिलाफ कार्यवाही की जा सकती है। इसके लिए आवश्यक नहो है कि महिला थाने जाये रिर्पोट लिखी जाये तभी कार्यवाही हो। वह किसी भी स्वंय सेवी संस्था या स्वास्थ्य विभाग महिला वाल विकास कही भी शिकायत कर सकती है। और उसके खिलाफ कार्यवाही की जा सकती है। आगे उनहोने वताया कि इस मे कोन कोन आरोपी हो सकता है वही क्या इस कानून के तहत किसी की गिरफ्तारी की जा सकती है पीडिता को निम्नलिखित राहते/सहयता मिल सकती है। जैसे कई मुद्दो पर वात की गई।

उमाकांत मिश्रा जी ईसानगर ने वताया की आज महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम हो रहा है और अच्छी वात है ये हमारे भाई लोग निरंन्तर आते रहते है। पर आज स्थिति बडी खराब है एक तरह महिला शिकायत दर्ज कराती है की उसे प्रताणित किया जा रहा है मारा जा रहा है वही महिला पति या परिवार वालो के खिलाफ जाना नही चाहती जब उससे थाने मे पुछा जाता है की इसे बंद कर देते है या जेल भेज देते हे तो वह कहती है कि हमे खिलायेगा कोन बच्चो को पालेगा पोसेगा शायद हमारे बुन्देलखणड मे आज जो बडी समस्या है वह है बेरोजगारी वही शादी के वाद बेटी को वह स्थान न मिलना जो शादी के पहले लाड प्यार दिया जाता है और शादी के वाद उसी महिला को घर मे दोहरी नजर से देखा जाता है एसे वह सममान प्यार परिवार मे नही मिलता तो कही न कही उसके अधिकारो का हन होता है तो ग्रामीण जन को भीर यह वात समझने की आवश्यकता है की वहू बेटी मे कभी कोई फर्क न करे और महिलाओ को पुरा सममान दे हमारा विभाग आप सब के साथ है पुरा सहयोग रहेगा।

लोगो को मिला रोजगार

आभार महिला समिति छतरपुर द्वारा विगत माह में ग्राम कदवा/बरद्धाहा मे लक्ष्य समुदाय व ग्राम समुदाय के साथ मिटिग का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम के 36 लोगो शामिल हुयें। ज्योति रैकवार द्वारा बैठक का उद्धेश्य वताया गया कि हमारी संस्था का लक्ष्य है कि समाज में ऐसे परिवार या ऐसे लोग जो असहाय है या जिनके पास आय के साधन नही है। ऐसे वर्ग समुदाय के लोगो ग्राम मे ही रोजगार उपल्बध करना ताकी वह ग्राम मे ही रह कर कार्य कर सके साथ ही अपने परिवार का पालन पोषण करे ।इसके लिए हमारी संस्था समय समय पर आप लोगो ने देखा है की बीज बितरण बीज बैक अनाज बैक किचिन ग्रार्डन के

अलवा अन्य शासकीय योजनाओ से जोडने का कार्य संस्था निरन्तर करती आ रही है। ताकी ग्राम के लोगो का विकास हो और लोग आत्मनिर्भर होकर कार्य कर सके।

संस्था ऐसे लोगो को सहयोग करती है जो हमारे समूह फेडरेशन तथा हमारे लक्ष्य समुदाय के लोग है साथ ही ध्यान रखा जाता है की वह उस कार्य को पुर्ण निष्ठा के साथ करे संस्था नगद राशि के रुप मे पैसा नही देती है उसके लिए हम लोग यहा पर तय करते है कि उक्त व्यक्ति को कोन सा कार्य करना है तथा हितग्राही को

अपना स्वय का 30 प्रतिशत योगदान देना होगा शेष व्यय संस्था का रहेगा कार्य की कुल लागत 3500 से अधिक नही होगी। हितग्रही का स्वय का एक बैक खाता होगा जिसमें उसकी मासिक बचत करनी पडेगी तथा अगर फेडरेशन से लोन लिया जाता है तो तय अनूसार राशि व्याज सहित वापीस करनी होगी। संस्था सामान उपल्बध करायेगी नगद किसी भी प्रकार का कोई भुकतान नही किया जायेगा। ग्राम बरद्धाहा में युवा समूह के नरेन्द्र खरे/दिनेश सेन को मोबाईल रिर्चाज तथा ग्राम पिर्पोराखुर्द में मोहन कुशवाहा को सवजी की दुकान का चयन कर किया गया और आत ये लोग अपने ग्राम मे कार्य कर के रोजगार कर रहे है। श

बीज बैंक का गठंन निर्माण।

आभार महिला समिति द्धारा मे बीज बैंक संचालन को लेकर मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीण पुरुष व महिलाऐंशामिल हुई। मीटिंग के दौरान पिछली बीज बैंक स्थापना मीटिंग मे जो बीज एकत्र हुआ था उसकी देखरेख, बीज बैंक का संचालन, वितरण व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। जिसमे निकलकर आया कि आभी बुबाई के लिए लोगो को बीज की आवाश्यकता है इसलिए सभी के साथ चर्चा करते हुए 07 सदस्यो को चयनित किया गया एवं उन्हे बीज बैंक से बीज तय बाडी के अनुसार दिया गया।

आगे पहले से ही अतरार मे बीज बैंक समिति बनी हुई थी उससे आगे बीज बैंक को सही से संचालित करने को लेकर बात की गई जिसमे लोगो ने कहा कि हम लोग बीज बैंक को संचालित कर रहे है साथ ही उसका आदान प्रदान भी करते है लेकिन अभी ज्यादा आनाज न होने के कारण हम लोग ज्यादा हितग्राहीयो को इस कार्यक्रम से नही जोड पा रहे है। साथ ही मानपुरा मे भी बीज बैंक संचालन और गठन को लेकर बात की गई जिसमे लोगो ने आगामी मीटिंग मे बीज बैंक बनाने और बीज एकत्र करने की बात कही। इस पकार ग्राम अतरार मे बीज बैंक संचालित किया जा रहा है। इस बीज बैंक के माध्यम से 02 हितग्राहीयो को बीज उपलब्ध कराया गया है ।

किसानो द्धारा किया गया किचिन ग्रार्डन

आभार महिला समिति द्धारा कासा परियोजना के सहयोग से हितग्राहीयो की आर्थिक स्थिति मे सुधार करने के उद्द्धेश्य से 03 ग्राम मे तय दिनांक अनुसार पैधारोपण करने के लिए मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमे लक्ष्य समुदाय के किसान एवं महिलाए मुख्य रूप से शामिल हुई। आज की मीटिंग पात्र हितग्राहीयो का चयन कर उनका पैाधा रोपण कराने के उद्धेश्य से की गई है। ज्योति जी ने बताया कि हमे ग्राम स्तर पर पैाधा रोपण कराना है इसके लिए हमे उन्ही किसानो का चुनाव करना है जो हमसे पहले से जुडे है या फिर जिन्हे वास्तविक इसकी जरुरत है।

आगे पुष्पेन्द्र जी ने बताया कि जिन लोगो के पास 01 से 02 एकड़ जमीन है और पानी की व्यवस्था है। ऐसे किसानों को फलदार वृक्ष लगवाना है। जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मे सुधार हो सके इसमे संस्था द्धारा फलदार वृक्ष जैसे– आम, अमरूद, नीबू, आवला आदि के पेड़ लगवाये जाऐगें। जिसमे से कुछ पेड़ संस्था देगी और कुछ पेड़ अपनी ओर से लगायेगे। जिनकी आप लोगो को दखभाल करनी है। इन पेडो को लगाने के लिए 10–10 फीट पर उचित गहरा

गढ्डा खोदकर उसमे देशी खाद एवं गोबर की खाद् डालकर फिर पोधो को एक कतार मे लगाये। साथ ही उनकी समय–समय पर देखभाल करना ताकि वे पोधे मरने तथा सूखने न पाये। इससे किसानों को आगामो समय मे एक निश्चित आय प्राप्त होगी।

ग्राम पिर्पोराखुर्द मे आयोजित किया जाने लगा हाट बजार

आभार महिला समिति छतरपुर द्धारा ग्राम पंचायत रमपुरा के ग्राम पिर्पोराखुर्द मे कासा भोपाल के सहयोग से महिला जागरुकता कार्यक्रम के अर्न्तगत विगत समय से कार्य किया जा रहा है कार्य के दोरान लोगो ने वताया कि ग्राम मे आजादी के पचॉस वर्ष होने के वाद भी ग्राम मे बजार नही लगता जवकी ग्राम पंचायत की जन सख्या 3065 है। और ग्राम के पास जो बजार है उनकी दुरी 5 से 7 कि.ली मीटर की दुरी पर है। जिस कारण ग्राम के आम नागरिक को आम देनिक जीवन की आवश्यक सामग्री क्रय करने मे समस्याओ का सामना करना पडता है और कही वारिर्ष का मोसम हो तो लोगो की देनिक जीवन की आवश्यक वस्तुओ के वीना ही गुजारा करना पडता है। ग्रामीण समुदाय के लोगो ने इस समस्या से समाधान के लिए प्रत्येक मिटिग मे उठाया और इसको लेकर कार्य करने पर जोर दिया।

संस्था कार्यकताओ ने इस विषय पर संस्था के वरिष्ठ लोगो से वात की और इस पर प्रयास प्रारम्भ किया गया सवसे पहले संस्था के वरिष्ठ सार्थी प्रदीप जी द्धारा ग्राम समुादय के साथ दो से तीन मिटिगो का आयोजन किया गया ग्राम समुदाय व ग्राम पंचायत के अधिकारियो से साथ ही ग्राम के उन महिला/किसान समुहो से चर्चा कि गई जिन्हे संस्था द्धारा किचिन ग्रार्डन व बीज उपल्बध कराया गया था। साथ ही लोग अपनी दुकान बजार मे लगायेगे इसके लिए भी ग्राम के लोगो को व आसपास के लोगो को तैयार किया गया वही ग्राम मे पम्पलेटस वितरण किये गये माईक द्धारा प्रचार प्रसार किया गया।

और इस प्रक्रिया के वाद जव संस्था अध्यक्ष प्रभाति खरे द्धारा पंचायत की अनूमति लेने के साथ ग्राम सभा की सहमति मिल सके इसके लिए प्रयास किये गये और 26/01/2014 को ग्राम सभा का आयोजन किया गया जिसमे ग्राम के सेकडो लोगो के साथ संस्था के पदाअधिकारी भी इस प्रक्रिया मे शामिल हुये । ग्राम सरपंच/सचिव द्धारा आम सहमति के साथ ग्राम सभा मे बजार संचालन का प्रस्तवा पारित किया गया और किस स्थान पर यह बजार लगाया जाये यह भी तय किया गया और स्वीकुति प्रदान की गई।

इसके वाद संस्था द्धारा पुनः ग्राम समुदाय मिटिग का आयोजन किया गया और मिटिगं के दोरान बजार का दिन व तारिख तय करने पर चर्चा की गई । उसके वाद पहले दिन कोन –कोन से लोग बजार लगायेगे इसकी सुची तैयार कराई गई। जिसमें संस्था द्धारा कासा के सहयोग से 05 तथा फेडरेशन के सहयोग से 09 दुकाने लगवाई गई जिसमे आभार महिला समिति का भी सहयोग रहा।

संस्था द्धारा ग्राम बजार का शुभ्प्रारम्भ के दिन माननीय विधायक तथा जिला प्रशासन के पदाअधिकारियो को मुख्य अथिति के तोर पर बुलाने का निर्णय किया गया। और जैसे ही तय हुआ की ग्राम मे आने वाले दिन शनिवार दिनांक 01/02/2104 को ग्राम वासियो व स्थानीय विधायक / जिला समन्वयक के त्वात्धान के बजार का उदघाटन किया जायेगा प्रातः 11 बजे जब ग्राम वासियो की खुशी का माहोल देखने को मिला साथ ही लोगो ने नाच गाकर इस दिन का स्वागत किया।

विकलांगो के मिला चलने का सहारा

आभार महिला समिति छतरपुर व कासा भोंपाल के सहयोग से जिला छतरपुर के ब्लाक छतरपुर मे 15 ग्रामो महिला सशक्तिकरण को लेकर कार्य किया जा रहा है। ग्राम मे सर्वे व समुदाय मिटिग के दोरान देखने मे आया कि ग्रामो मे सेकडो ऐसे विकंलाग महिला पुरुष बच्चे है जिनके पा आय के साधन तो है नही साथ ही उनके शासन की जन कल्याणकारी योजनाओ का लाभ नही मिल पा रहा साथ ही जो चल फिर सकते है उनके पास चलने के लिए साधन नही है।

ऐसे विकलागो को संस्था द्धारा चिहिन्त किया गया और पंचायत एव समाज न्याय विभाग के अधिकारियो से संस्था के वरिष्ट सहयोगी प्रदीप जी ने सर्म्पक किया और लोगो की मदद करने के लिए प्रयास किया

संस्था द्धारा 5 ग्रामों के 24 लोगो को चिहिन्त किया गया जिसमे ट्राई साईकिल/बेक्साखी के साथ विकलांग शिविर मे कृतिम अगं दिलाने के लिए निरन्तर प्रयास किये गये जिसमे 17 लोगो को समाजिक न्याय विभाग द्धारा ट्राई साईकिल दिलाई गई । वही 04 लोगो को बेक्साखी दी गई। आगे भी अन्य लोगो को शासन की योजनाओ से जोडने का प्रयास किया जा रहा है।

स्वास्थ्य शिविर

जिले में अगर स्वास्थ्य सुविधाओ की वात करे तो जो स्थिति निकल कर सामने आती है वही काफी देयनीय है जहा पर बच्चे कुपोषित है बच्चो का नियमित टीकाकरण नही हो रहा वही महिलाओ मे खुन की कमी है ग्रामीण महिलाऐ लिकोरिया जैसी बिमारी से ग्रस्त है तो दुसरी ओर गर्भवती माताओ का नियमित स्वास्थ्य परिक्षण नही किया जाता न ही टीकाकरण हो रहा तो किशोरी बालिकाओ न ही स्वास्थ्य सुविधा दी जा रही है। ग्राम की ए.एन. एम नही आती बुर्जाको का ईलाज नही हो रहा कई लोग ऐसे है जो स्वास्थ्य सुविधाओ के अभाव मे दम तोड चुकी ह।

ऐसी स्थिति को देख कर संस्था द्धारा ग्रामों में शासकीय स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से 43 स्वास्थ्य शिविरो का आयोंजन किया गया तथा मुफ्त मे दवा वितरण की गई व लोगो का नियमित स्वास्थ्य परिक्षण किया गया और गम्भीर लोगो को जिला या जिले के बाहर उपचार कराने की सलाह दी गईं।

क्षय रोग जागरुकता अभियान

इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्राम स्तर पर लोगो को टी.बी. की बिमारी के वारे मे वताया गया तथा जो लोग पहले से इस विमारी से ग्रस्त है उनका नियमित परिक्षण कराने का प्रयास किया गया और स्लाईड तैयार कराई गई वही बिमारी से ग्रस्त व्यक्ति को नियमितद वा लेने के साथ दवा दिलाई गई और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से उन सभी व्यक्तीयो का वगंलम ले कर परिक्षण कराया गया व जानकारी दी गई `की किस तरह से यह बिमारी व्यक्ति को परेशान करती है और यह बिमारी परिवार मे अगर किसी को हो गई तो परिवार के दुसरे व्यक्ति को होने की पुरी सम्भावना वनी रहती है। और अगर व्यक्ति ने बिमारी के दोरान दवा खाना छोड दिया या रुक रुक कर दवा ली तो यह बिमारी और घातक हो ताजी है और एक वार यह बिमारी रजस्टेंश्न मेब इल गई तो व्यक्ति का बचाना मुशिकल हो जाता है और इसके ईलाज का खर्च काफी गुगिा है। इस तरह से इस बिमारी के प्रति लोगो को जागरुक किया गया और परिक्षण करा कर लोगो को बिमारी से मुक्त कराने का प्रयास किया गया।

युवाओ को दिया गया रोजगार प्रशिक्षण

ग्रामीण स्तर पर कार्य करने के दोरना पाया गया की ग्राम स्तर से लगातार युवा गर्व ग्राम से शाहर की ओर पलायन कर रहे है।क्योकि ग्राम स्तर पर किसी को रोजगार नही मिल रहा तथा शासन द्वारा जिनको रोजगार दिया जा रहा है वह पर्याप्त नही है साथ ही उसका समय पर पैसा नही मिलता व जरुरत मंद को काम नही है ऐसी स्थिति को ध्यान मे रख कर संस्था द्वारा युवा रोजगार प्रशिक्षण का आयोंजन किया गया और जिसमें 117 किशोरी बालिकाओ और युवा वर्ग के लिए प्रशिक्षण दिया गया जिसमें कप्यिुटर मोटर बाईडिग सिलाई के साथ अन्य प्रशिक्षण दिलाये गये और उ़घोग विभाग के कार्यक्रम समन्वयक श्री अनुराग खरे के माध्यम से बैक ऋण और प्रकिया के वारे मे वताया गया साथ ही प्रशिक्षण केन्द्र नोगॉव से भी प्रशिक्षण लेकर आज कई युवा वर्ग स्वंय का व्यवसाय कर रहे है।

नाडिप/बर्मी कमपोस्ट निर्माण

जैविक कृर्षी को बढावा देने के उद्धेंश्य से ग्राम स्तर नाडिप /वर्मीक्पोट निर्माण कराये गये ताकी लोग जा सके की नाडिप क्या है इसका उपयोग कैसे करते है तथा इसकी खादृय का कितनी उपयोगी है इसको लेकर ग्राम स्तर पर निामर्ण कार्य किया गया वही वर्मीकम्पोट निर्माण कराये गये ताकी ग्राम के किसान केचुया खादृय के वारे मे जाने तथा उसका उपयोग अपनी खेती के लिए कर सके । साथ ही संस्था द्वारा इसके वाद कृर्षी विभाग के सहयोग से ग्रामीण किसानो के आवेदन लगाये ताकी वही नाडिप /वर्मी कम्पोस्ट का निर्माण कराये और जैविक कृर्षी को प्राथमिकता के साथ अपनाये इसी को ध्यान मे रख कर 15 नाडिप व 5 वर्मी कम्पोस्ट का निर्माण कराय गया।

ग्रामो में वनाया जा रहा है श्रम लेबर बजट

आभार महिला समिति छतरपुर द्वारा वर्ष 2015–16 का श्रम लेबर बजट तैयार किया जा रहा हैं जिसमें ग्राम मे विषेश ग्राम सभा के माध्यम से लोगो को इस कार्य के वारे मे जानकारी दी जा रही है वही लोगो को संधन भुमिका इस कार्य मे देखी जा रही हैं जिसमे लोगो ने अपने अपने ग्राम की समस्याओ को चिहिनत कर आगमी वर्ष मे किये जाने वाले कार्य को श्रम बजट मे दर्ज कराया वही ग्राम मे शोचालय निर्माण के लिए सेकडो लोगो ने आवेदन संस्था के माध्यम से लगाये है जो संस्था द्वारा जनपद पंचायत छतरपुर में प्रस्तुत किये जा चुके है।

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम

आभार महिला समिति छतरपुर द्वारा ब्लाक छतरपुर मे 15 पंचायतो मे महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें संस्था अध्यक्ष प्रभाति खरे के अलावा एड बुकेट मीरा सिह जी व अन्य साथी गढ उपस्थिति रहे। कार्यक्रम के दोरान वताया गया की आज जिले मे जो महिलाओ की स्थिति है वह हम आप जानते है कि किस तरह से महिलाओ को प्रताडित किया जा रहा है या उनके साथ अन्य कई तरह से हिसा की जा रही है ऐसे मे आवश्यकता है कि महिलाऐ एक जुड हो तथा अपने अधिकारो को जाने तथा ग्राम ग्राम मे महिला सगठन तैयार किये जाये ताकी किसी भी महिला के साथ कुछ भी घटना घटती है तो यह सगठन आगे आये और उसक महिला के साथ खडी हो जिसके साथ हिसा हो रही है आज महिला सरंक्षण के लिए कई कानून वने है और उनके विकास के लिए शासन द्वारा अनेक कार्य किये जा रहे है। आभार महिला समिति छतरपुर द्वारा महिलाओ के लिए कई योजनाओ के माध्यम से लोगो को सशक्त करने के साथ ग्राम स्तर पर महिला केडर खडा करना साथ ही परिवार के लोगो मे यह समझ विकसित करना की लडका या लडकी एक ही मॉ की सतंना है और परिवार मे दोनो को वरावर का अधिकार मिलनना चाहीए ताकी महिलाऐ भी समाज मे आत्मसम्मान के साथ अपने अधिकारो के साथ अपना जीवन यापन कर सके। संस्था द्वारा महिलाओ को आर्थिक रुप से सशक्त करने के लिए किचिन ग्रार्डन दुकान/प्रशिक्षण/रोजगार उपल्बध कराये जा रहे है।

वर्द्ध जन को मिलने लगी पेंशन–

आभार महिला समिति छतरपुर द्वारा ब्लाक छतरपुर क 17 पंचायतो मे महिला सशक्तिकरण आजिविका के तहत कार्य किया जा रहा है जिसमें ग्राम के ऐस वर्ग समुदाय को जोडा गया है जिन्हे श्शासन की जन कल्याण कारी योजनाओ का लाभ नही मिल रहा या ऐसे वर्ग समुदाय के लिए कार्य किया जा रहा है जो समाज की मुख्य धारा से वचित ह ऐसे

वर्ग समुदाय को जाग्रति व संगठित कर उनको समाज की मुख्य धारा से जोडने का प्रयास संस्था द्वारा किया गया। जिसमे देखने मे आता है ग्रामे के ऐस कई परिवार है जिन्हे शासन की योजना का लाभ नही मिल रहा या उनकी पहुॅच शासन तक नही है।ऐसे परिवार के वर्द्ध महिला/पुरुष को पंचायत एव समाजिक न्यया विभाग के सहयोग से लोगो पेशंन के आवेदन कराये गये साथ ही कई परिवारो को आज पेंशन स्वीकुति की जा चुकी है।

विधवाओ को मिले परिवार सहायता के लिए किये गये प्रयास

कार्यक्षेत्र में देखने मे आता है की ग्राम मे ऐसे कई परिवार है जिन्हे आज दिनांक तक विधवा पेंशन या परिवार सहायता नही मिल सकी है ऐसे ही परिवार को चिहिन्त कर संस्था के सहयोग से ऐसी महिलाओ को शासन की योजना का लाभ मिल सके इसके लिए विधवा पेंशन के आवेदन तैयार कराये गये साथ ही कई कई विधवा महिलाओ को पेंशन के साथ परिवार संहायता स्वीकृत करा कर उनको शासन की योजनाओ से जोडने का प्रयास किया गया।

नशा मुक्ति के असवर पर की गई संगोस्ठी

आभार महिला समिति छतरपुर विगत पिछले 15 वर्ष से समाज विकास व जनकल्याण के क्षेत्र मे कार्य कर रही है जिसका मुख्य उद्धेश्य समाज में व्याप्त कुरीत्रियो तथा नशा से गस्त समाज को नशा मुक्त कराने के लिए प्रयास करना ।संस्था द्वारा समय समय पर जिले स्तर के साथ ब्लाक व ग्राम स्तर पर नशा विरोधी कार्यक्रमो का आयोजन किया जाता रहा है और किया जा रहा है जिसमें ग्राम समुदाय मिटिग तथा संगोष्ठाी रेली जैसे कार्य संस्था द्वारा विगत वर्षो मे किये गये है साथ ही जन अभियान परिषद के सहयोग से भी ग्राम मे यह अभियान संस्था द्वारा चलाया गया साथ ही लोगो के शपथ पत्र भरवाये गये। जिसमें सेडको लोगो ने शपथ लेकर तमाखु गुटका शराब को छोडने का बचन लिया और समाज स्वच्छय समाज के साथ जी रहे है।

परिचय सम्मेलन मे संस्था का रहा सहयोग

पंचायत एवं समाजिक न्यया विभाग द्वारा जिला स्तरीय विकंलाग परिचय सम्मलन का आयोजन किया गया जिसमें जिले के अलावा अन्य कई जिले के महिला/पुरुष विंकलाग साथियो ने सहभागिता रही। कार्यक्रम मे मुख्य रुप से पंचायत एंव समाजिक न्याय विभाग के श्री बघेल जी

के अलावा नगर पालिका अध्यक्षा श्रीमति अर्चना सिह के अलावा श्री उमेंश शुक्ला जी तथा नगर पालिका सी.एम.ओ मुख्य रुप से कार्यक्रम मे उपस्थित रहे।

कार्यक्रम मे मुख्य रुप से ऐसे महिला पुरुषो ने सहभागिता रही जो शासन के सहयोग से अपना जीवन साथी चुन कर विवाह करना चाहते है । जिससे समाज मे वह एक जिम्मोदर व आर्दश जीवन जी कर आत्मसम्मानव आत्मनिर्भर होकर अपना जीवन यापन कर सके। इसके लिए संस्था द्वारा कई ऐसे युवा युवती के साथ जी सके। जिसके लिए संस्था द्वारा कई लोगो के पंजियन कराये गये साथ ही कार्यक्रम में पुर्ण सहयोग संस्था का रहा।

वृर्द्ध बुर्जक के साथ विकंलाक जनो का हुआ स्वास्थ्य परिक्षण

ग्राम मे स्वास्थ्य सुविधाओ की स्थिति को देखकर तय किया गया कि ग्राम मे लोगो के पास स्वास्थ्य सुविधाओ का अभाव है। लोगो का नियमित चैकप नही होता विकलांग जनो का स्वास्थ्य परिक्षण नही किया जाता ऐसे में संस्था द्वारा प्रयास किया गया कि ग्राम स्तर पर ही लोगो को स्वास्थ्य सुविधाऐ मिल सके साथ ही लोगो का स्वास्थ्य परिक्षण हो सके इसके लिए ईसानगर स्वास्थ्य केन्द्र से सर्म्पक किया गया और ग्राम मे ही स्वास्थ्य शिरिव का आयोजन कर लोगो को मुफ्त दवा व परिक्षण किया गया ।जिसमें 200 लोगो ने सहभागिता कर शिविर का लाभ उठाया।

ग्राम के निराश्रित लोगो को दिलाये गये राशन कार्ड

आभार महिला समिति छतरपुर द्वारा ग्राम के ऐसे वर्ग समुदाय के लिए कार्य किया जा रहा है जो वास्तविक गरीब है या जिनको श्शासन की योजनाओ का लाभ नही मिल रहा ऐसे वर्ग समुदाय को जागरुक व सशक्त कर उनको समाज की म्ख्य धारा से जोडना तथा योजनाओ का लाभ मिल सके ऐसा प्रयास करना ऐसा ही कार्य क्षेत्र के कुछ ग्रामो मे किया गया कि जिनके पास राशन कार्ड नही थे ऐसे लोगो को राशन कार्ड उपल्बध कराये गये साथ ही उनको शासन की जन कल्याण कारी योजनाओ से जोडा गया। साथ हो विकंलाग जनो को भी भी मिल गई

वेसाखी ।

विकंलाग साथियो का किया गया सर्वे

आभार महिला समिति छतरपुर द्वारा ब्लाक छतरपुर की 11 पंचायतो में कार्य किया जिसके अर्न्तगत ग्रामों में विषेश ग्राम सभाओ का आयोजन किया गया जिसमें कई ग्रामो के विंकलाग महिला पुरुष युवाओ ने वताया कि उनको शासन की जन कल्याण कारी योजनाओे का लाभ नही मिल पा रहा साथ ही कुछ लोगो के पास राशन कार्ड नही है तो कुछ के पास विंकलागता का प्रयाण पत्र जिस कारण उनको किसी भी शासकीय योजना का लाभ नही मिल पा रहा न ही मनरेगा मे कोई काय दिया जाता है। जिस कारण वह अपने आपको व परिवार मे हीन भावना से देखा जाता है । ऐसे मे आवश्यकता है की ऐसे वर्ग समुदाय के लोगो को योजनाओ का लाभ मिल साथ ही उनको स्वरोजगा के साथ आय सम्बधी स्त्रोत उपल्बध कराये जाये। संस्था द्वारा ऐसे ही प्रयास किये जा रहे है जिसमें लोगो स्वरोजगार प्रशिक्षण लघू रोजगार बैक फायनेय के साथ पंचायत एवं समाजिक न्याय विभाग का सहयोग निरन्तर मिल रहा है जिससे लोगो पेंशन कृतिम अगं के साथ बेसाखी ट्राई वितरण की गई।

वितरण किये गये कपडे

आभार महिला समिति छतरपुर द्वारा के 15 ग्रामो में ग्राम विकास के अर्न्तगत बोरी बंधान सोखता गडा साफ सफाई जैसे कार्य कराये गय जिसके अर्न्तगत 117 परिवारो के बच्चों महिलाओे किशोरी बालिका युवाओ के अलवा पुरुषो को कपडा वितरण किये गये जिसके फल स्वरुर लोगो ने ग्राम विकास कार्य मे सहयोग किया और ग्राम मे पानी सफाई पोघा रोपण कार्य कराये गये। संस्था द्वारा लोगो को जागरुक कर समाज मे सामानता के असवर उपल्बध कराने का प्रयास किया जा रहा है। जिसके अर्न्तगत लोगो को कई परियोजनाओ के माध्यम से सहयोग

किया जा रहा है। जिसमे किचिन गार्डन बीज बैक अनाज बैक स्वरोजगार समूह गठन माईको फाईनेस प्रशिक्षण देकर ग्राम वासियो को आत्मनिभर वनाने का प्रयास किया जा रहा है। संस्था द्धारा आगंनवाडी केन्द स्कूल के बच्चो महिलाओ को स्वस्थ्य रहने के साथ कपडे दरी टाट फट्री उपल्ब्ध कराये जा रहे है ताकी महिलाओ बच्चो को आगंवाडी केन्द्र स्कुलो मे अच्छी व्यवस्था मिल सके ऐसे प्रयास किये जा रहे है।

जैविक कृर्षी जागरुकता कार्यक्रम

आभार महिला समिति छतरपुर द्धारा 15 पंचायतों मे जैवकि कृर्षी को बढावा देने के उद्धेश्य से ग्रामो मे जागरुकता मिटिग/बैठक का आयोजन किया गया जिसमें जैविक कृर्षी के फायदे के साथ जैविक कुर्षी को बढावा देने के प्रयास से ग्राम स्तर पर कुर्षी प्रर्दशनी का आयोजन किया गया जिसमें लोगे को जैविक कुर्षी के वारे मे वताया गया और लागे को जैविक खादृय की आवश्यकता और उसके महत्व पर जानकारी दी गई। जैविक कुर्षी को बढावा मिले इसके लिए किसानो के ओन लाईन पंजियनं कराये गये वही लोगे को कुर्षी विभाग के सहयोग से बीज के साथ दवाई छिडकाव की मशीन व अन्या उपयोगी जानकारी उपल्बध करा कर लोगे को जैविक कृर्षी के वारे मे वताया गया।

बेटी बचाओ कार्यक्रम

देश व जिला स्तर पर आये दिन कम हो रही बेटियो की सख्या व बढती महिला हिसां को देखते हुय संस्था द्धारा जिले में बेटी बचाओ अभियान की शुरुआत की गई जिसमे जिले की विधायक श्रीमति ललिता यादव ने हरी झडी दिखा कर यात्रा की शुरुआत की गई ।जिसमे जिले के दो ब्लाक के 30 ग्रामों मे यह यात्रा निकाली गई। जिसमे ग्राम के लगभग 7500 लोगे को यह संदेश देने का प्रयास किया गया की बेटीओ को समान अधिकार व समान शिक्षा मिले ऐसे ऐसे प्रयास किया गया था। साथ ही स्कुला कालेज मे निबंध प्रतियोगिता तथा चित्र कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। तथा प्रतियोगिता मे बालिकाओ को पुरुस्कार वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में नौगाव/छतरपुर की सेकडो किशोरी बालिकाओ ने सहभागिता की।

जल सरक्षण

आभार महिला समिति छतरपुर द्धारा ग्रामो म जल सरंक्षण को लेकर जागरुकता कार्यक्रम का

आयोजन किया गया जिसमें जानकारी दी गई की जल के महत्व को लोग समझे साथ ही जल सरंक्षण किस तरह से किया जा सकता है की गरर्मी के समय पर जल त्रोस्त का जल स्तर कनमे लगता है या सूख जाता है इसके लिए हमे जल किस तर से बचाया जा सकता है साथ ही प्राकृतिक जल संनसाधनो की देख रेख करने को लेकर चर्चा की गई वताया गयाा की जहा पर लोग जल का उपयोग अधिक करते है उस स्थान पर सोखता गडडा होना चाहीए साथ ही अगर पानी अलग अलग जगह से बह रहा है तो हमेअ उसके लिए कच्चीा नाली वना कर पानी को एक स्थान पर रोकना होगा ताकी जो पानी वह रहा है उसको एक जगह पर एक्त किया जाये ताकी गरर्मी के समय पर वहा का जल स्तर कम न हो इसके साथ साथ ऐसे जल स्त्रोत जहा पर पानी अधिक है तो पेड पोधे लगाये ताकी पर्यावरण के साथ जल का सरक्षण हो सके साथ ही

प्राकृतिक जल स्त्रोतो का रख रखाव भी रखे ताकी आने वाले समय पर पानी की समस्या से निप्टा जा सके नही आने वाले समय पर अगला विशधुय पानी के लिए ही लडा जायेगा। इसलिए आवश्यक है कि पानी के महत्व को जाने व पानी के दुरउपयोग को रोकने का प्रयास करे ।

कुपोषण जागरुकता –

कुपोषण समाज के लिए एक अभिषयाप वन चुका है क्योकि आज जिस तरह से प्रदेश मे ही नही पुरे भारत में कुपोषण से गस्त है वही जिला छतरपुर मे 0 से 5 वर्ष के बच्चो मे सबसे अधिक कुपोषण पाया गया है जिसे आज हमारे समाज मे कई तरह की समस्या उत्तपन हो रही है वहो अगर कुपोषण ग्रस्त बालिका है तो परिवार के द्धारा उस पर ज्यादा ध्यान नही दिया जाता वही कुछ ऐसे ही परिवार है की वह बच्चो का ईलाज ही नही कराना चाहते है और शासन द्धारा जो सुविधा कुपोषण युक्त बच्चो को एन.आर.सी से दी जा रही है उसका लाभ नही लेते तों आर वहा से एक दो दिन मे चले जाते है जिसके कारण बच्चे को पुर्ण आराम नही मिल पाता हमे आवश्यकता है की बच्चो मे अगर कुपोषित जैसे कोई लक्षण दिखाई देते है तो उसको जिला अस्पताल मे दिखाये वही एन.आर. सी का लाभ ले। घर मे वना पोष्टीक भोजन दे ताकी बच्चा स्वस्थ्य रहे ।

फलदार पोधे वितरण किये गये।

आभार महिला समिति द्धारा कासा परियोजना के सहयोग से हितग्राहीयो की आर्थिक स्थिति मे

सुधार करने के उद्द्धेश्य से 03 ग्राम मे तय दिनांक अनुसार पैधारोपण करने के लिए मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमे लक्ष्य समुदाय के किसान एवं महिलाए मुख्य रूप से शामिल हुई। आज की मीटिंग पात्र हितग्राहीयो का चयन कर उनका पैाधा

रोपण कराने के उद्धेश्य से की गई है। ज्योति जी ने बताया कि हमे ग्राम स्तर पर पौधा रोपण कराना है इसके लिए हमे उन्ही किसानो का चुनाव करना है जो हमसे पहले से जुडे है या फिर जिन्हे वास्तविक इसकी जरुरत है।

आगे पुष्पेन्द्र जी ने बताया कि जिन लोगो के पास 01 से 02 एकड़ जमीन है और पानी की व्यवस्था है। ऐसे किसानों को फलदार वृक्ष लगवाना है। जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मे सुधार हो सके इसमे संस्था द्वारा फलदार वृक्ष जैसे– आम, अमरूद, नीबू, आवला आदि के पेड़ लगवाये जाऐगें। जिसमे से कुछ पेड़ संस्था देगी और कुछ पेड़ अपनी ओर से लगायेगे। जिनकी आप लोगो को देखभाल करनी है। इन पेडो को लगाने के लिए 10–10 फीट पर उचित गहरा गढ्डा खोदकर उसमे देशी खाद एवं गोबर की खाद् डालकर फिर पोधो को एक कतार मे लगाये। साथ ही उनकी समय–समय पर देखभाल करना ताकि वे पोधे मरने तथा सूखने न पाये। इससे किसानों को आगामी समय मे एक निश्चित आय प्राप्त होगी।

सूचना के अधिकार की दी गई जानकारी

संस्था कार्यकर्त्ता विजय सक्सेना, ज्योति रैकवार, साबिर खान ग्राम के अन्य प्रतिभागी भी उपस्थित हुए। आगे विजय जी ने अपना परिचय और संस्था के बारे मे बताते हुए कहा कि हमारी संस्था आभार महिला समिति विगत् 15 वर्षो से लगातार ग्रामीण क्षेत्र मे कार्य कर रही है। जिसका मुख्य उद्द्धेश्य गरीबों को उनके अधिकार दिलाना एवं महिला सशक्तिकरण करना है। इसी क्रम मे आज की मीटिंग का आयोजन किया गया है। जिसका मुख्य उद्द्धेश्य जन समुदाय को आर.टी.आई. (सूचना का अधिकार) के प्रति जागरूक करना है जिससे लोग इस कानून के वारे मे जान पाये और उसको उपयोग कर अपने ग्राम मे हो रहे विकास कार्य आदि के वारे में विस्तार से जान पाये।

विजय जी ने बताया कि आप लोग सूचना के अधिकार के बारे मे जानते है कि इसके माध्यम से आप किसी भी विभाग से कोई भी जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकते है। जैसे अपने ग्राम मे जो मनरेगा के अन्तर्गत कार्य हो रहा है और आप लोगो को इस बात की कोई भी जानकारी नही होती है कि इस कार्य के लिए कितना पैसा आया था और किस काम मे कहां खर्च हुए इस प्रकार की समस्त जानकारी यदि आपको किसी विभाग से चाहिए या फिर कही पर आपकी फाइल लगी है और बार बार जानकारी लेने और पता करने के बाद भी यदि आपको जानकारी नही मिल रही है तो आप सूचना के अधिकार के तहत जानकारी प्राप्त कर सकते है। आगे गुमना आदिवासी ने पूछा कि इसमे कोई भी व्यक्ति किसी भी विभाग से जानकारी ले सकता है इसके लिए हमे कितना पैसा लगेगा व इसके लिए हमे क्या करना होगा। जिसम निधि जी ने बताया कि यह एक कानून है। जिसे सरकार ने 2005 मे लागू किया था। जिसमे कोई भी आम व्यक्ति सरकारी विभाग से किसी भी तरह की जानकारी ले सकता है। इसके अन्तर्गत उस विभाग को लिखित मे जानकारी देनी होगी।

साबिर जी ने इस अधिकार की उपयोगिता एवं महत्व के बारे मे विस्तार से बताते हुए कहा कि इसके अन्तर्गत किसी भी विषय, संचालित योजनाओ का सम्पूर्ण कार्य विवरण और अन्य आवश्यक जानकारी सरलता पूर्वक प्राप्त किया जा सकता है। जैसे पंचायत द्वारा जानकारी मे पांच हैण्डपम्प लगवाये गये है लेकिन वास्तव मे एक भी हैण्डपम्प नही लगवाया गया कितना पैसा आया कितना खर्च हुआ किन लोगो ने काम किया इस तरह की तमाम जानकारी एक माह की

अन्दर आपको लिखिल मय प्रमाणित हस्ताक्षर के दी जायेगी। इसके लिए दो तरीके है एक यह की आपको जिस विभाग से जानकारी चाहीए उस विभाग मे जाये और सुचना के अधिकार कानून के तहत आवेदन करे और 10 रुपये की रसीद कटाये नही तो एक 10 रू का स्टांप पेपर ले उस और उस पर सूचना का अधिकार आवेदन पत्र भरे और उस स्टाम पेपर कें साथ डाक से उस विभाग को भेज दे। 30 दिन अन्दर आपको पत्र के माध्यम से जानकारी भेजी जायेगी या सुचना दी जायेगी की आप अपनी जानकारी प्राप्त कर ले।

अगर 30 दिन के अन्दर विभाग जानकारी नही देता तो आप प्रथम अपील अधिकारी को आवेदन कर जानकारी माग सकते है। आपके द्धारा जो जानकारी मागी गई है। उसके प्रति 2 रुपयें की दर से प्रति पेंज शुल्क देना होता है अगर व बी.पी.एल कार्ड धारक नही है तो।मगर एक माह बीत जाने के वाद यह जानकारी निशुल्क दी जाती है।अगर प्रथम अपील में काई सुनवाई नही होती तो दूसरी अपील भोपाल को की जाती है जिसमें उक्त अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की जा सकती है।

जागरुकता मिटिग घरेलू महिला हिसा अधिनियम

आभार महिला समिति द्धारा तय दिनांक एवं ग्राम मे महिला अधिकार जागरूकता मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमे संस्था पदाधिकारी ज्योति रैक्वार, साबिर खान, सविता सेन, कार्यक्रम अधिकारी प्रदीप कुमार खरे, ग्राम के गठित महिला, किसान अैार युवा मण्डल के सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मीटिंग की शुरूआत परिचय सत्र के साथ की गई जिसमे प्रदीप जी ने कहा कि आप सभी लोग जानते है कि हमारा काम आप लोगो के बीच पिछले 05 सालो से चल रहा है। साथ ही हम लोग हमेशा महिलाओ को आगे लाने की बात करते है। इसी क्रम मे आज इस मीटिंग का आयोजन किया गया है।

जिस तरह समाज विकास के लिए महिला अैार पुरूष दोनो का होना आवश्यक है उसी प्रकार एक परिवार को सही तरीके से चलाने के लिए दोनो की भागेदारी होना आवश्यक है। लेकिन हमारे यहां पर पितृसत्तामक व्यवस्था हाने के कारण आप लोग स्वयं इस बात को जानते है कि समाज मे महिलाओ महत्व अैार भागेदारी क्या है। आज समाज मे समाजिक भेदभाव के चलते महिलाओ को उनके अधिकार अैार सम्मान नही दिये जाते है और न ही बराबरी का दर्जा दिया जाता है जैसे घर के बेटो और बेटियो के साथ अलग तरह का व्यवहार किया जाता है। जिसके कारण आज महिलाओ की स्थिति क्या है इस बारे आप अैार हम अच्छे तरह से जानते है।

लेकिन इस पितृसत्तामक व्यवस्था के कारण महिलाओ भी अपने अधिकारो अैार अपने हक की लडाई के लिए आगे नही आती है साथ ही उनके भी मन मे ये बात अच्छे से बैठ चुकी है कि ऐसा ही होता है। लेकिन हमे इस सोच का बदलनी होगी महिलाओ को भी अपने अधिकारो का उपयोग करने अैार समस्त महत्वपूर्ण बातो मे अपनी भागेदारी देने का हक है। जैसे जमीन बेचने अैार खरीदने जैसे बातो मे महिलाओ की सहमति उतनी ही आवश्यक है जितनी कि पुरूष की।

आज के समय मे भी बहुत सी ऐसी महिलाए है जो आय दिन घरेलू हिंसा का शिकार होती है और फिर भी स्वयं और अपने परिवार का संजोने के प्रयास मे लगी रहती है उन्हे लगता है कि हमारा घर न टूटे। लेकिन इस समय ये बात सोचने कि है कि क्या घर केवल महिला का ही है क्या पुरूष को उसको बनाये रखने की कोई जिम्मेदारी नही है। यदि महिलाओ की तरह पुरूष भी परिवारिक जिम्मेदारी मे सहयोग करने लगे तो इसका परिवार अच्छे से चलने लगेगा। आज महिलाऐ केवल घर के काम और मनोरंजन का साधन मात्र नही है बल्कि परिवार मे महिलाए एक पुरूष से ज्यादा भूमिका निभाती है और पूरे परिवार को एक मकान से घर बनाने का प्रयास करती है। इसलिए हम लोगो को भी प्रयास करना चाहिए कि महिलाओ अपने सभी महत्वपूर्ण निर्णय और कार्यो मे शामिल करने और उन अवसर प्रदान करे। साथ ही जब भी कोई परिवारिक जिम्मेदारी के निर्णयो की बात हो तो उसमे अपने परिवार की महिलाओ को भी आवाश्य शामिल करे।

महिलाओ के लिए शासन द्वारा बहुत सारे कानून महिलाओ के सरंक्षण और अधिकारो के लिए दिये गये है लेकिन वह तभी उपयोगी है जब उनका प्रयोग महिला अपने संरक्षण के लिए करे जैसे घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 ये एक ऐसा कानून है जो महिलाओ को घरेलू हिंसा से पीडित उनको इस कानून के अन्तर्गत संरक्षण दिया जाता है। साथ ही महिलाओ के भी बहुत से अधिकार है जिनका उपयोग कर वे अपने अधिकारो की मांग शासन से कर सकती हैं जैसे सम्पत्ति का अधिकार इस अधिकार के अन्तर्गत परिवारिक भूमि पर जितना अधिकार पुरूष को है उतना ही महिलाओ को भी।

शिशुवती एवं गर्भवती महिलाओ का पंचायत स्तरीय प्रशिक्षण

आभार महिला समिति द्वारा तय ग्राम एवं दिनांक मे शिशुवती एवं गर्भवती महिलाओ ाक पंचस्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमे ग्राम की गर्भवती, शिशुवती महिलाए एवं आशा और आगनवाडी कार्यकर्ता शामिल हुई। प्रशिक्षण के दैरान कुल 25 प्रतिभागी शामिल हुए। पशिक्षण की शुरूआत परिचय सत्र के साथ की गई जिसमे ज्योति जी ने सभी को प्रशिक्षण मे आने पर स्वागत किया। आगे उन्होने टीकाकरण के बारे मे जानकारी देते हुए बताया कि टीकाकरण मां और बच्चे दोनो के लिए बहुत ही आवाश्यक है। गर्भवती महिलाए गर्भ की जानकारी होती ही सबसे पहले अपना आगनवाडी मे पंजीयन कराये साथ ही इस बात का भी विशेष ध्यान दे कि शिशुवती एवं गर्भवती महिला को समय पर टीके लगे। प्रसव पूर्व एवं प्रसव उपरान्त टीके लगवाना बहुत ही जरूरी है। आगे ज्योति जी ने महिलाअेा से पूछा कि क्या आप लोगा का समय पर पूरा टीका हुआ है तो रोशनी विश्वर्मा ने बताया कि बैसे तो हम लोगो के नाम आगनवाडी मे दर्ज है और हमारे यहां पर आगनवाडी कार्यकर्ता और आशा द्वारा समय पर टीकाकरण किया जाता है।

जिस पर ज्योति जी ने कहा कि जितनी जिम्मेदारी आशा और आगनवाडी कार्यकर्ता की है उतनी ही जिम्मेदारी हम और आप की भी है कि लोग स्वयं भी याद रखे और अपना टीकाकरण कराने के लिए आगनावाडी मे आये।

आगे आगनवाडी कार्यकर्ता सावित्री दुबे ने बताया कि गर्भवती महिला का गर्भ की जानकारी मिलते ही पहला टिटनिस का टीका लगाया जाता है और दूसरा टीका एक महीने बाद लगाया जाता है। शिशुओ का टीकाकारण भी इसी तरह से किया जाता है।

शिशुओ के लिए टीकाकरण सबसे ज्यादा जरूरी है। क्योकि यदि एक साल तक शिशुओ का विधिवत् टीकाकरण हो जाता है तो वे आगे स्वास्थ्य जीवन जी पाते है। शिशुओ के लिए सात जानलेवा बीमारियो से बचाने के लिए बच्चो को बी.सी.जी., ओ.पी.व्ही. हैपेटाईटिस बी, खसरे का प्रथम एवं द्वितीय टीका, विटामिन ए की खुराक पोलियो बूस्टर, विटामिन ए की नै खुराके और डी.पी.टी. का द्वितीय बूस्टर इस प्रकार बच्चो को जन्म से लेकर 05 वर्ष तक सभी टीके लगवाना आवाश्यक है। तभी ये सम्पूर्ण टीकाकारण माना जाता है। और बच्चा एक स्वास्थ्य जीवन जी पाता है। आगे चार्ट के माध्यम से सभी टीकाकारण और उनकी आवाश्यकता के बारे मे बताया गया।

आज के समय हम सभी लोग देख रहे है कि शासन द्वारा सभी समुदाय को स्वस्थ्य बनाने और घर घर त स्वास्थ्य सुविधाए प्रदान करने के लिए बहुत प्रयास किया जा रहा है। इस अभियान के अन्तर्गत महिलाओ एवं बच्चो का विशेष ध्यान दिया जाता है। क्योकि हमारे देश मे शिशु मत्यु दर एवं मातृ दर लगातार घटती जा रही है। आज हमारे यहां पर शिशु लिंगानुपात 100 मे से 900 है यानी 1000 लडको पर केवल 900 लडकियां है। साथ ही कुछ मां ऐसी भी है जो सुरक्षित प्रसव, सम्पूर्ण स्वास्थ्य सुविधा एवं उचित देखभाल न मिलने के कारण जन्म के समय या प्रसव के बाद खत्म हो जाती है। इसलिए ज्यादा से ज्यादा हर सम्भव प्रयास करना चाहिए कि प्रसव अस्पताल मे हो।

आगे ज्योति जी ने पूछा कि बैसे तो सभी लोग चााहते है कि बच्च्वो को मां का दूध पिलाया जाऐ लेकिन क्या वास्तव मे ऐसा है कि बच्चो को जन्म मे तुरन्त बात से 06 माह तक केवल मां का दूध पिलाया जाता है जिस पर विनिता कौदर ने कहा कि हमारे यहां पर तो बच्चो को पानी, छुट्‌टी, शहद, उपर का दूध आदि सभी चीजे जी जाती है। जिस पर आशा सविता पाठक जी ने बताया कि हमारे यहां पर महिलाओ को पहले भी बहुत बार महिलाओ को इस बात के बारे मे बताया गया है कि बच्चो को 0–6 माह तक केवल मां का दूध ही दिया जाना चाहिए यही एक बच्चे के लिए सबसे उपयुक्त आहार है।

साथ ही ज्योति जी ने बताया कि मां के दूध मे एक एण्टीबॉडी तत्व पाया जाता है जो बच्चो को संक्रमण बीमारियो और सभी आवाश्यक पोषण तत्व जिनकी बच्चो के शरीर के लिए आवाश्यकता है उन्हे प्रदान करता हे। इसलिए 0–06 माह तक बच्चो को केवल मां का दूध ही पिलाना चाहिए। साथ ही बच्चे को 7 माह से मां के दूध के साथ साथ उपरी पोषण आहार भी देना आवाश्यक है। क्योकिह जैसे जेसे बच्च्वे बडे हाने लगते है बैसे ही उनकी पोषण सम्बन्धि आवाश्यकता भी बढने लगती है। इसलिए उन्हो उपरी आहार जैसे दलिया, दाल, चावल, अण्डा, रोटी और जो भी वह खा सके वो सभी चीजे उन्हे खिलाना चाहिए।

साथ ही बच्चो के साथ साथ गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओ को भी अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना आवाश्यक है इसके लिए गर्भवती महिलाओ को पोषण आहार के साथ साथ उचित देखभाल आराम और 100 आरन की गोलियां नियमित तैर पर लेना चाहिए जिससे की उनके

शरीर मे खून की कमी न हो। साथ ही इस बात का भी ध्यान देना है कि जो शिशुवती महिलाए है उन्हे भी अतिरिक्त पोषण आहार की आवाश्यकता है। आगे ज्योति जी ने बताया कि क्या आप लोग जानते है कि स्तनपान क्यो आवाश्यक है और मां और बच्चे मे इससे जुडी कौन कौन सी बाते है जिन्हे हम सभी को जानना और समझना बहुत ही आवाश्यक है। आगे उन्होने चार्ट सीट के माध्यम से बताते हुए कहाकि सबसे पहले हम स्तनपान से बच्चो को होने वाल फायदे के बारे मे जानते है। जिसमे उन्होने बताया कि–

1– मां का दुध पीने वाले बच्चे का मानसिक और बैद्धिक विकास स्तनपान न करने वाले बच्चो की अपेक्षा अधिक होता है।
2– मां के दूध मे सभी आवाश्यक पोषण तत्व पाये जाते है जो बकरी गाय के दूध से या फिर उपरी पोषण आहार मे नही होते है।
3– मां का दूध आसानी से पच जाता है। जिससे कब्ज की शिकायत नही होती है।
4– स्तनपान करने वाले शिशु की सीखने और पढने की क्षमता अधिक होती हैं
5– मां का दूध साफसुथरा और जीवाणु रहित होने के कारण दस्त और बुखार से बचाता है।
6– यह शिशु को सांस सम्बन्धि समस्याओ एलर्जी, दमा और त्वचा सम्बन्धि रोगो से बचाता है।
7– इससे शिशु की भावात्मक जरूरते भी पूरी होती हैं।

स्तनपान कराने से माताओ को लाभ–

1– यह मां के शरीर को सुडैल बनाने मे मदद करता है।
2– मां के गर्भाश्य को तुरन्त अपने पूर्व आकार मे लाकर मां के शरीर को खून की कामी होने से बचाता है।
3– स्तनपान मां को अंडाशय और स्तन कैंसर के खतरे से बचाता है।

साथ ही इस प्रकार शिशुओ एवं महिलाओ को स्तनपान से होने वाले लाभ के बारे मे बताया गया जिसको सभी प्रतिभागियो ने अच्छे से सुना और ज्यादा से ज्यादा जानने की कोशिश की। उपस्थित सदस्यो ने दी गई जानकारी को बहुत ही सराहा। आगनवाडी कार्यकर्ता सावित्री दुबे ने बताया कि इस तरह जानकारी हमे पहले नही थी साथ ही जो आपने महिलाओ को होने वाले लाभ के बारे मे बताया ये हमारे लिए नई जानकारी है। महिलाओ ने भी अपने बच्चो को केवल स्तनपाने कराने की बात कही। महिलाओ ने भी अपने बच्चो को केवल स्नपान कराने की बात कही। आगे महिलाओ ने आपसी विचार विमर्श के माध्यम से बहुत सी स्वास्थ्य सम्बन्धि बातो को जाना।

संक्षेप विवरण

आभार महिला समिति छतरपुर एक स्वयं सेवी संस्था है जिसका कार्य क्षेत्र सम्पुर्ण भारत वर्ष है संस्था द्धारा समाज विकास व जन कल्याण के लिए अनेक स्तर पर कार्य किया जा रहा है जिसमें रोजगार प्रशिक्षण किचिन गार्डन नाडिप निर्माण समूह गठन जैविक कृर्षी के साथ साथ महिला सशक्तिकरण जल सरंक्षण तथा गरीब असाह वर्द्ध जानो को सहारा देना तथा गरीब परिवारो को रोजगार उपल्बध कराने के साथ रोटी कपडा जैसी आवश्कता को दुर करने के लिए शासकीय आशसकीय विभाग के सहयोग से ग्राम के पात्र लोगो तक शासन की योजनाओ को पहुचाने का प्रयास करना हमारा मुख्य उद्धेश्य है।

<u>धन्यवाद</u>

31/03/ 2014–15